



उदयपुर-राज. लॉकडाउन के दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन सामग्री वितरण करने के पश्चात् आमंत्रित कामिनी गुर्जर राष्ट्रीय महामंत्री अखिल भारतीय गुर्जर महासभा राष्ट्रीय महामंत्री किसान यूनियन, उदयपुर, जिला परिषद सदस्य को सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. रीटा बहन। साथ है ब्र.कु. कविता, ब्र.कु. शांति तथा ब्र.कु. कल्पना।



अलीराजपुर-म.प्र. पर्यावरण दिवस पर वृक्षारोपण करते हुए नारायण वर्मा, बैंक मैनेजर, अशोक एम.पी. विजली विभाग, शैलेश एल.आई.सी. समरसेबल, ब्र.कु. माधुरी बहन, ब्र.कु. सेना, ब्र.कु. लालू, ब्र.कु. अरुण तथा ब्र.कु. मदन।



अम्बिकापुर-छ.ग. विश्व पर्यावरण दिवस पर ऑनलाइन वेबिनार में जुड़े शैलेश सिंगदेव, किसान कांग्रेस प्रदेश के उपाध्यक्ष, वी.के. सिंह, राजमोहिनी कृषि महाविद्यालय के डीन, जगदीश प्रसाद चन्द्राकर, पूर्व मुख्य वन संरक्षक, वृक्ष मित्र ओ.पी. अग्रवाल तथा मणिराम भगत, उपसंचालक कृषि विभाग। वेबिनार के पश्चात् पौधारोपण करते हुए ब्र.कु. विद्या, ब्र.कु. पार्वती, ब्र.कु. पूजा तथा अन्य बहनें।



बिलासपुर-टिकरापारा(छ.ग.) ब्रह्माकुमारीज व कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग के संयुक्त तत्वाधान में विश्व पर्यावरण दिवस पर 'पर्यावरण की रक्षा-हम सबकी सुरक्षा' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में पौधा रोपण करने के पश्चात् चित्र में ब्र.कु. मंजू, ब्र.कु. हेमवती, ब्र.कु. गायत्री, ब्र.कु. पूर्णिमा, ब्र.कु. श्यामा, ब्र.कु. ईश्वरी एवं ब्र.कु. नीता।



बिहार शरीफ-नालंदा। विश्व पर्यावरण दिवस पर सेवाकेन्द्र पर पौधारोपण करते हुए ब्र.कु. अनुपमा, ब्र.कु. पूनम तथा अन्य।



कटक-विश्व शांति सरोवर(ओडिशा) पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में ए.बी. मोहंती फार्म हाउस फील्ड में पौधारोपण करते हुए ब्र.कु. गोपाल, ब्र.कु. नथमल, ब्र.कु. देबस्मिता तथा अन्य ब्र.कु. भाई-बहनें।

भीतर से सशक्त होना- ये है समय की मांग



- ब्र.कु. उषा, वरिष्ठ राजयोग प्रशिक्षिका

जहाँ गीता का हर अध्याय योग है उसमें ये ध्यान योग का महत्व जो बताया गया है कि वास्तव में मनुष्य जीवन में हर कोई को ये ध्यान करने की आवश्यकता है। ध्यान से ही मनुष्य अपने मन को शांत रख सकता है, स्थिर रख सकता है और अनेक प्रकार की परिस्थितियों के बीच भी संतुलित रख सकता है। वैसे आज का विज्ञान ध्यान के ऊपर काफी रिसर्च भी कर रहा है कि ध्यान करने वालों की मनोस्थिति आम व्यक्ति की मनोस्थिति से काफी संतुलित होती है। साथ ही साथ जीवन में जो अनेक परिस्थितियां, समस्याएँ आती हैं उन समस्याओं, परिस्थितियों में भी उसका दृष्टिकोण जो होता है वो सकारात्मक होता है, और बड़ी से बड़ी परिस्थितियों में भी वो इतना विचलित नहीं होता, जितना आम व्यक्ति छोटी-छोटी बातों में विचलित होकर अनेक प्रकार के नकारात्मक रिएक्शन क्रियेट कर रहा है। और जब तक इतने सारे निगेटिव रियेक्शन अन्दर से उभरते रहेंगे तो कहीं न कहीं जीवन में उसको उन परिस्थितियों की मार लगती रहेगी। इसीलिए आवश्यकता है ऐसे समय में जितना हम ध्यान के द्वारा आत्मा की बैटरी को चार्ज करें उतना ही आने वाली हर परिस्थितियों में, समस्याओं में, अनेक प्रकार की चुनौतियों को सहजता से सामना करके पार कर सकते हैं। ये बात हम सभी अच्छे से जानते हैं कि आने वाला समय कैसा होगा! परिस्थितियों से, चुनौतियों से भरा होगा या मुक्त होगा।

ऐसे समय में अगर आत्मा की शक्ति भी क्षीण हो जाये, हमारी आध्यात्मिक शक्ति भी क्षीण हो जाये तो उन परिस्थितियों को पार करने की शक्ति, क्षमता कहाँ से आयेगी! ऐसे समय में व्यक्ति नैचुरल है डिप्रेशन के शिकार बनते हैं। घरों में भी लोग अनेक प्रकार की परिस्थितियों से घिरा हुआ महसूस करते हैं। बुद्धि काम नहीं करती है तो आदमी डिप्रेशन का शिकार बनता जा रहा है। ऐसे समय में हमारी आंतरिक स्थिति नाजुक नहीं होनी

जितनी भी विपरित परिस्थितियां आयें उसे या सहन करके पार करें या सामना करते हुए पार करें। अगर इंसान ऐसे समय पर टूट जाता है तो वो परिस्थितियों का शिकार सहज व स्वाभाविक बन जाता है, और जब हम टूटते हैं तो परिस्थितियां तो क्या इंसान भी रोदना चालू कर देते हैं। इसलिए हमें टूटना नहीं चाहिए।

जीवन में परिस्थितियां, चुनौतियां, समस्याएँ जो आती हैं बल्कि वे तो हमें घड़ना चाहती हैं, कुछ बनाना चाहती हैं। जो परिस्थितियां हमें घड़ना चाहती हैं उस समय थोड़ी सहनशक्ति अपने अन्दर विकसित करते हुए, उस समय वो मनोबल बढ़ाते हुए हर परिस्थिति, चुनौति, समस्याओं को सहते हुए जब हम पूर्ण मूर्ति के रूप में तैयार हो जाते हैं तब आने वाले समय में लोग उनको ही अपना आइडल मानते हैं, अपना आदर्श मानते हैं और उनकी स्तुति करते हैं, पूजा करते हैं, लेकिन जो पहले सहकर सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाते हुए जीवन के रास्ते में आगे बढ़ते हैं जरूर वो मंजिल को प्राप्त कर ही लेते हैं।

इसीलिए हमें अपने जीवन में ये च्वाइस करना होगा कि हमें पहले सहन करना है या बाद में सहन करना है। पहले सहन करेंगे तो बाद में पूजनीय बन जायेंगे। पहले अगर टूटते जायेंगे तो बाद में रौंटे जायेंगे। तो इसीलिए आवश्यकता है कि हम अपने जीवन को इस तरह से संवारे, अंदर से मजबूती लायें और वो आयेगी सिर्फ मेडिटेशन से। जितना हम अपने अंदर एकाग्रता को विकसित करते हैं, उस एकाग्रता के साथ आगे बढ़ते हैं उतना हमारी अंदर की शक्ति जब बाहर आ जाती है तो कोई भी परिस्थिति हमें कोई नुकसान नहीं पहुँचा सकती। तो इसीलिए विज्ञान भी रिसर्च करता है कि ध्यान से कितने फायदे हैं जीवन के अन्दर। उन फायदों के आधार पर हम अपने जीवन को वैसा घड़ करके पात्र बन जाते हैं।

जब ध्यान से व्यक्ति की एकाग्रता की शक्ति बढ़ती है तब अनेक प्रकार की सुषुप्त शक्तियां जो हैं उनको हम जागृत कर सकते हैं। सुषुप्त शक्तियां अर्थात् इन परिस्थितियों में, जितनी भी विपरित परिस्थितियां आयें उसे या सहन करके पार करें या सामना करते हुए पार करें।

चाहिए लेकिन आंतरिक स्थिति पावरफुल होनी चाहिए, सशक्त होनी चाहिए। आंतरिक स्थिति अगर मजबूत होगी तो परिस्थितियों में भी मजबूर नहीं बनेंगे। उन परिस्थितियों को सकारात्मक तरीके से हैंडल करते हुए, अपनी मनोस्थिति को भी ऐसे समय में हैंडल करते हुए उनको पार करना बहुत आसान और सहज हो जायेगा। अब भीतर से सशक्त होना है ये समय की पुकार है, समय की मांग है और उसी के लिए ही ध्यान करना आवश्यक है।

जब ध्यान से व्यक्ति की एकाग्रता की शक्ति बढ़ती है तब अनेक प्रकार की सुषुप्त शक्तियां जो हैं उनको हम जागृत कर सकते हैं। सुषुप्त शक्तियां अर्थात् इन परिस्थितियों में,



धिनमाल-राज. विश्व पर्यावरण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में वृक्षारोपण करते हुए जिला पंचायत प्रमुख राजेश राणा, जालौर, श्रेमंकर ट्रस्ट के चक्रवर्ती सिंह रावत, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी आशुतोष आचार्य, ब्र.कु. गुमान सिंह राव, ब्र.कु. लक्ष्मण। कार्यक्रम में उपस्थित रहे नगर पालिका इंजीनियर कैलाश जी, प्रेमराम जी, नेनाराम जी, इंजीनियर, पत्रकार माणिक मल भंडारी तथा अन्य।



धमतरी-छ.ग. ब्रह्माकुमारीज व कृषि एवं ग्राम विकास प्रभाग द्वारा पर्यावरण दिवस पर आयोजित वेबिनार का दीप प्रज्वलित कर शुभारम्भ करते हुए ब्र.कु. सरिता, ब्र.कु. प्राजक्ता, ब्र.कु. करुणा, ब्र.कु. यशा, सऊदी अरब मस्कट, ब्र.कु. सरस, ब्र.कु. नवनीता। ऑनलाइन वेबिनार में उपस्थित रहे सतोविसा समाजदार वन मंडलाधिकारी, टी.आर. वर्मा, एस.डी.ओ. फॉरेस्ट, मूरत सिंह सहायक प्राध्यापक महामाया कृषि महाविद्यालय, प्रोफेसर अनंत दीक्षित, बी.सी.एस. कॉलेज, पंचराम साहू रंजर, मितेश जैन अध्यक्ष जनजागरण सेवा समिति तथा योगेश गुप्ता अध्यक्ष यूथ होस्टल ऑफ एसोसिएशन।

ओम शान्ति मीडिया सदस्यता हेतु सम्पर्क करें....

कार्यालय - ओम शान्ति मीडिया

संपादक - ब्र.कु. गंगाधर, ब्रह्माकुमारीज, शान्तिवन, तलहटी,

पोस्ट बॉक्स न - 5, आबू रोड (राज.) 307510

सम्पर्क- M- 9414006096, 9414182088,

Email-omshantimedia@bkivv.org

सदस्यता शुल्क: भारत - वार्षिक 200 रुपये, तीन वर्ष 600 रुपये,

अजोवन 4500 रुपये। विदेश - 2500 रुपये (वार्षिक)

कृपया सदस्यता शुल्क 'ओम शान्ति मीडिया' के नाम मनीऑर्डर या

बैंक ड्रफ्ट (पोस्टल एर ट्रांसफर, आबू रोड) द्वारा भेजें।

